



श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भारतीय जैन संघटना

समाचार

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 1 अंक 10 | मूल्य - रु.1/- | अक्टूबर 2016 | पृष्ठ - 8

राष्ट्रीय अधिवेशन २०१६



सुस्वाह निमंत्रण

समय है बदलाव का - समय के साथ बदलें

Venue: Kamaraj Memorial Hall

No 492, Near E 3 Police Station, Anna Salai, Sundar Road, Teynampet west,
Chennai, Tamil Nadu 600006

मान्यवर
महोदय,
सादर
जय
जिनेन्द्र,



धार्मिक सिद्धांतों की व्यावहारिक सुदृढताओं की आवश्यकताओं पर गत अंक में आपसे संवाद किया था, जिस पर अनेक पाठकों से प्रतिसाद प्राप्त हुए, एतदर्थ धन्यवाद करता हूँ।

सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि भारतीय जैन संघटना का आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक ५ व ६ नवम्बर, २०१६ को चैन्नई, तामिलनाडू में आयोजित किया गया है। अधिवेशन की थीम है 'समय है बदलाव का - समय के साथ बदलें' (Time 4 Change - Change 4 Time). आपसे विनम्र निवेदन है कि इस राष्ट्रीय अधिवेशन में अवश्य पधारें।

पिछले तीन दशकों से सामाजिक, शैक्षणिक एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में देशव्यापी ठोस कार्य करने के पश्चात् अब भारतीय जैन संघटना बड़ी से बड़ी चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। इस अधिवेशन के अवसर पर आगामी तीन वर्षों में जनसामान्य के लिए कल्याणकारी योजनाओं व दो वर्षों में जैन समाज के उत्थान की योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इन योजनाओं के क्रियान्वन से देश के शिक्षा क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन की शुरुआत होगी। इस मायने में यह अधिवेशन ऐतिहासिक साबित होगा।

इस अधिवेशन में केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्री, पूर्व मंत्री, सांसद व जैन समाज की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जानी-मानी हस्तियां सहभाग करेंगी। आपसे विनम्र निवेदन है कि इन दिग्गज वक्ताओं के विचार सुनने, देश भर से आये हुए जैन प्रतिनिधियों से मिलने तथा जैन समाज के उत्थान व जैन समाज द्वारा राष्ट्र निर्माण की योजनाओं को जानने-समझने का सुअवसर प्राप्त करें।

अधिवेशन की थीम के बारे में अपने विचार इस अंक के माध्यम से आपके चिन्तन व मंथन के लिए प्रस्तुत कर रहा हूँ। बदलाव तो हमेशा ही होते रहे हैं लेकिन अबके बदलाव की गति अत्याधिक तेज है। समय के साथ बदलाव बेहद जरूरी है अन्यथा पिछड़ जाने की पूरी संभावना है। विनम्र निवेदन है कि 'समय है बदलाव का - समय के साथ बदलें'।

पुनःभारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अधिवेशन : २०१६ में आपको सादर आमंत्रित करता हूँ।

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष

Jains for India की तर्ज पर देश निर्माण में BJS के

आगामी तीन वर्ष के लक्ष्य

४५ लाख विद्यार्थियों को मूल्य शिक्षण (Value Education)

महाराष्ट्र शासन के करार अनुसार कक्षा १वीं से ५वीं के सभी विद्यार्थियों को मूल्य शिक्षण शालेय शिक्षा विभाग के सहयोग से।

२ लाख युवतियों का सक्षमीकरण

महाराष्ट्र की सरकारी स्कूलों की ८वीं से १०वीं की छात्राओं का सक्षमीकरण शालेय शिक्षा विभाग के सहयोग से।

१,००० विद्यार्थियों का शैक्षणिक पुनर्वसन

महाराष्ट्र के आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों व आदिवासी परिवारों के बच्चों का ५वीं से १२वीं तक शैक्षणिक पुनर्वसन भारतीय जैन संघटना - वाघोली शैक्षणिक पुनर्वसन प्रकल्प, पुणे में।

३,००० देहातों को अकाल मुक्त करना

प्रख्यात अभिनेता श्री. आमीर खान के 'पानी फाउन्डेशन' के साथ महाराष्ट्र के ३० ज़िलों के ३० तहसीलों में जल संधारण के कार्य द्वारा।

शनिवार,
दिनांक ५ नवंबर,
२०१६

उद्घाटन सत्र
(प्रातः ९.३० से ११.००)

प्रमुख अतिथि:

मा.श्री. अजयजी संचेती, राज्यसभा सदस्य
मा.श्री. नरेन्द्रजी बलदोटा, पूर्वअध्यक्ष, JITO
मा.श्री. सुरेशदादा जैन, पूर्व मंत्री, महाराष्ट्र राज्य
अध्यक्षता:
मा.श्री. शांतिलालजी मुथ्था, संस्थापक, BJS



२ वर्ष के लक्ष्य - २ लाख जैन परिवारों का विकास

प्रथम सत्र
(प्रातः ९ से १०)

प्रमुख वक्ता : मा.श्री. प्रफुल्लजी पारख, राष्ट्रीय अध्यक्ष, BJS
प्रमुख अतिथि: मा. श्री. सुगालचंदजी जैन,
फाउंडर एवं ट्रस्टी, भगवान महावीर फाउंडेशन
अध्यक्षता : मा.श्री. राजेंद्रजी लुंकर, राष्ट्रीय सचिव, BJS

रविवार,
दिनांक ६ नवंबर,
२०१६

जैन समाज में विवाह तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव



द्वितीय सत्र
(प्रातः १० से ११)

प्रमुख वक्ता : मा.श्री. शांतिलालजी मुथ्था, संस्थापक, BJS
प्रमुख अतिथि : मा.श्री. रमेशजी मुथ्था, मॅनेजिंग डायरेक्टर, मोहन मुथ्था एक्सपोर्ट प्रा.लि.
अध्यक्षता : मा.श्री. वीरेंद्रकुमारजी जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, BJS

विशेष सत्र

दि. ५ नवंबर, २०१६ संध्या ४ से ६

भारत की शालेय शिक्षण व्यवस्था में चुनौतियाँ - BJS का योगदान

प्रमुख वक्ता

मा.श्री. प्रकाशजी जावडेकर,
मंत्री, मानव संसाधन विकास, भारत सरकार

मा.श्री. शांतिलालजी मुथ्था,
संस्थापक, BJS



बदलते समय में समाज विकास के लिए टेक्नोलॉजी का महत्व एवं भारतीय जैन संघटना के मोबाइल ऐप का अनावरण



तृतीय सत्र
(दोपहर ११.३० से १२.३०)

प्रमुख वक्ता : मा.श्री. प्रेमजी जैन, उपाध्यक्ष, CISCO Ltd., San Francisco
मा.श्री. अरुणजी जैन, चेअरमन, Design Intellect
प्रमुख अतिथि: मा.श्री. पी. आर. कांकरिया, कांकरिया टेक्सटाईल इंडस्ट्रीज प्रा.लि.
अध्यक्षता : मा.श्री. गौतमजी वैद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, BJS

चतुर्थ सत्र (दोपहर १२.३० से १.३०) प्रश्न-उत्तर काल (Open Forum)

सूत्र संचालन : मा.श्री. संजयजी सिंघी, राष्ट्रीय सचिव, BJS
प्रमुख अतिथि : मा.श्री. एम. के. जैन,
कार्याध्यक्ष, भारतवर्षीय दिगंबर जैन श्रुत सम्बन्धिनी महासभा
अध्यक्षता : मा.श्री. ज्ञानचंदजी आंचलिया, राज्याध्यक्ष-तमिलनाडू, BJS

पंचम सत्र (दोपहर २.३० से ३.३०) शपथ विधि समारोह: राष्ट्रीय कार्यकारिणी (२०१७-२०१८)

भारतीय जैन संघटना के निवृत्तमान राज्याध्यक्षों के वक्तव्य
अध्यक्षता : मा.श्री. महेशजी कोठारी,
राष्ट्रीय महासचिव, BJS

प्रमुख अतिथि:

मा.श्री. पन्नालालजी सिंघवी, अध्यक्ष, जैन महासंघ
मा.श्री. सम्पतराजजी रांका, राष्ट्रीय महासचिव,
अखिल भारतीय साधूमार्गी जैन संघ
मा.श्री. प्रदीपजी जैन, CMD, PNC Infratech Ltd.
मा.श्री. सुरेशदादा जैन, पूर्व मंत्री, महाराष्ट्र राज्य
अध्यक्षता:
मा.श्री. शांतिलालजी मुथ्था, संस्थापक, BJS

समापन सत्र
(संध्या ४.०० से ५.३०)



फेडरेशन ऑफ जैन एज्युकेशनल इंस्टिट्यूशंस (FJIE) के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में बदलाव

प्रमुख वक्ता : मा.श्री. वल्लभजी भन्साली, चेअरमन, ENAM Group
मा. डॉ. आर. चैनराजजी जैन, चेअरमन, JGI Group
प्रमुख अतिथि : मा.श्री. अभयजी श्रीश्रीमाल, चेअरमन, लाइफ सेल
मा.श्री. देवेन्द्रजी सुराणा, डायरेक्टर, सुराणा ग्रुप
अध्यक्षता : मा.श्री. कैलाशमलजी दुगड, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, BJS

प्रथम सत्र
(दोपहर ११ से १२)



तीन वर्ष में ३००० देहातों का अकालमुक्त अभियान

प्रमुख वक्ता : मा.श्री. शांतिलालजी मुथ्था, संस्थापक, BJS
प्रमुख अतिथि : मा. श्री. पी. एस. सुराणा, राष्ट्रीय अध्यक्ष,
श्री अ.भा.जैनरत्न हितैषी श्रावक संघ
मा.श्री. राजेशजी जैन, चेअरमन, EMCO
अध्यक्षता : मा.श्री. सुदर्शनजी जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, BJS

द्वितीय सत्र
(दोपहर १२.३० से १.३०)



अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जैन समाज

चर्चा सत्र: पैनालिस्ट्स
मा.डॉ. सुशीलजी जैन, पूर्व अध्यक्ष JAINA, वाशिंगटन
मा.श्री. नटूभाई शाह, चेअरमन, जैन सेंटर, लंदन
मा.श्री. नरेन्द्रजी जैन, दुबई
मा.सुश्री. हर्षदाबेन शाह, कुवैत
मा.श्री. संजयजी जैन, दुबई
मा.डॉ. शुगुनजी जैन, नई दिल्ली
प्रमुख अतिथि:
मा.श्री. पंकजजी संघवी, अध्यक्ष, जैन सोशल गुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन
मा.श्री. किशनलालजी डगलिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा
समन्वयक:
मा.श्री. प्रफुल्लजी पारख, राष्ट्रीय अध्यक्ष, BJS

तृतीय सत्र
(दोपहर २.३० से ३.३०)

सांस्कृतिक कार्यक्रम
(रात्रि ८.०० से १०.००)



Change and time are the two sides of the coin called “Progress”.

Time is the core element around which our life revolves. It is a temporal dimension that defines history, civilization, and culture. It has dotted the path of evolution that leads to the future of mankind. As the events unfold one after another, time passes with its unstoppable speed. Time leaves us with memories, learning and experiences. Situations change and so do we with this learning! And this is progress - progress of individual's, of society's, and ultimately of the civilization's.

Jains have been the leaders because they changed

As a community, Jains inherit strong legacy of religious ideology that was born out of the changing thought process. Jainism talks about some rational principles of leading life and embeds them in the practical ways to do so. This could happen only because of the need for the change that was felt by our "Teerthankars". This need for changing with time gave birth to a whole new religion that we follow so proudly today.

In the modern times, our ancestors migrated to the far off places on this globe leaving their homelands for sheer survival. They dared to change their homes to new locations. And they created the legacy of business for us. We are known for our contribution to the field of business and philanthropy. Many of us are well-acknowledged leaders in these areas.

Changes are necessary and inevitable

Changing and evolving is like a flowing river – being live and giving life. And not changing is decaying. Stagnancy of thought upholds the progress. The ideological and the business lead that we received as legacy is under threat today. Majority of us are holding on to the meaningless rituals and the comfort of money power that we have. The outward change is easy and we have adopted it in our life style. But for many of

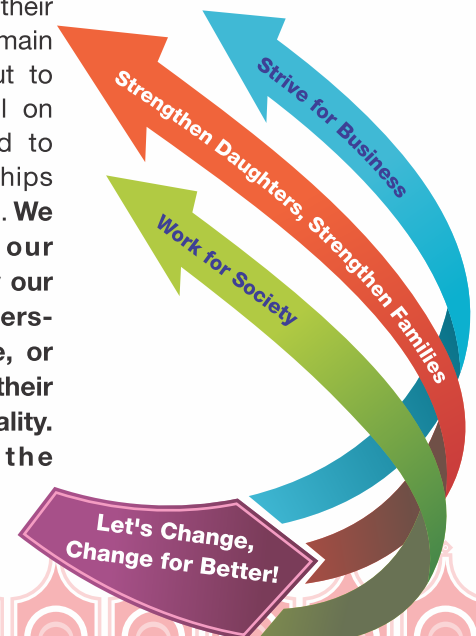
us, the change in thinking is almost nil. It creates hangers in the path of growth and development. It is prudent to know the speed with which time is forcing changes. We will have advantage only in matching that speed for changing our thought process relevant to modern times.

Now is the Time for us to Change & the Key is to Change with Time

The time is speedily affecting us. The social unrest, the technology disruptions and the family profiles have changed the fabric of our lives. Let's carry at least three messages with us to make things roll and vouch to change accordingly.

- Many countries are facing war-like situations. Millions are compelled to exile. Terrorists are striking in all continents. Social crimes and aggressions are proliferating. Agitations are part of day to day life. This calls for a change in thinking of every individual. **We need to change our role as individuals of peace loving community to the role of change agents in a collective way to work for peace and society. Let's be united for the social cause.**
- The rapid technology changes are changing the life styles, the markets and hence areas of our businesses. The business patterns and channels are also changing speedily from manual to automated. The robotic process automation is likely to wipe out 35% of manual processes by 2035. The wearable technologies are going to change our communication and data exchange patterns. The traditional businesses are about to be doomed. **We need to change our gears for changing the business patterns to be able to survive in this fast developing scenario. Let's be dynamic in our business patterns.**
- Family profiles are changing with increasing education, exposure to cosmopolitan cultures, and individual aspirations. Family compositions are changing from joint to nuclear to micro families. Girls and women are stepping out of gender constraints and are demonstrating equal potential to succeed in careers, businesses, and sports.

Family members that still expect them to curb their urge though not to remain in the four walls but to compel them to toil on both the sides lead to unhealthy relationships and unhappy families. **We need to change our world view to allow our daughters, daughters-in-law, sisters, wife, or the mother to bring their own dreams into reality. Let's facilitate the women power.**



भारतीय जैन संघटना का जैन समाज के उत्थान हेतू लक्ष्य

आगामी
२ वर्ष के लक्ष्य

२ लाख जैन परिवारों का विकास

○ ५०,००० जैन समाज की बेटियों का सक्षमीकरण

भारतीय जैन संघटना के १०० ट्रेनर एवं सैकड़ों पदाधिकारियों द्वारा देश के ११ राज्यों में १००० कार्यशालाओं के माध्यम से ।

○ ४५,००० व्यापारियों हेतु जनजागृति

भारतीय जैन संघटना के प्रशिक्षित वक्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा देश के ११ राज्यों में २०० बदलोगे तो बढ़ोगे कार्यक्रम के माध्यम से ।

○ १ लाख लोगों को अल्पसंख्यकता के लाभ एवं अधिकार की जानकारी

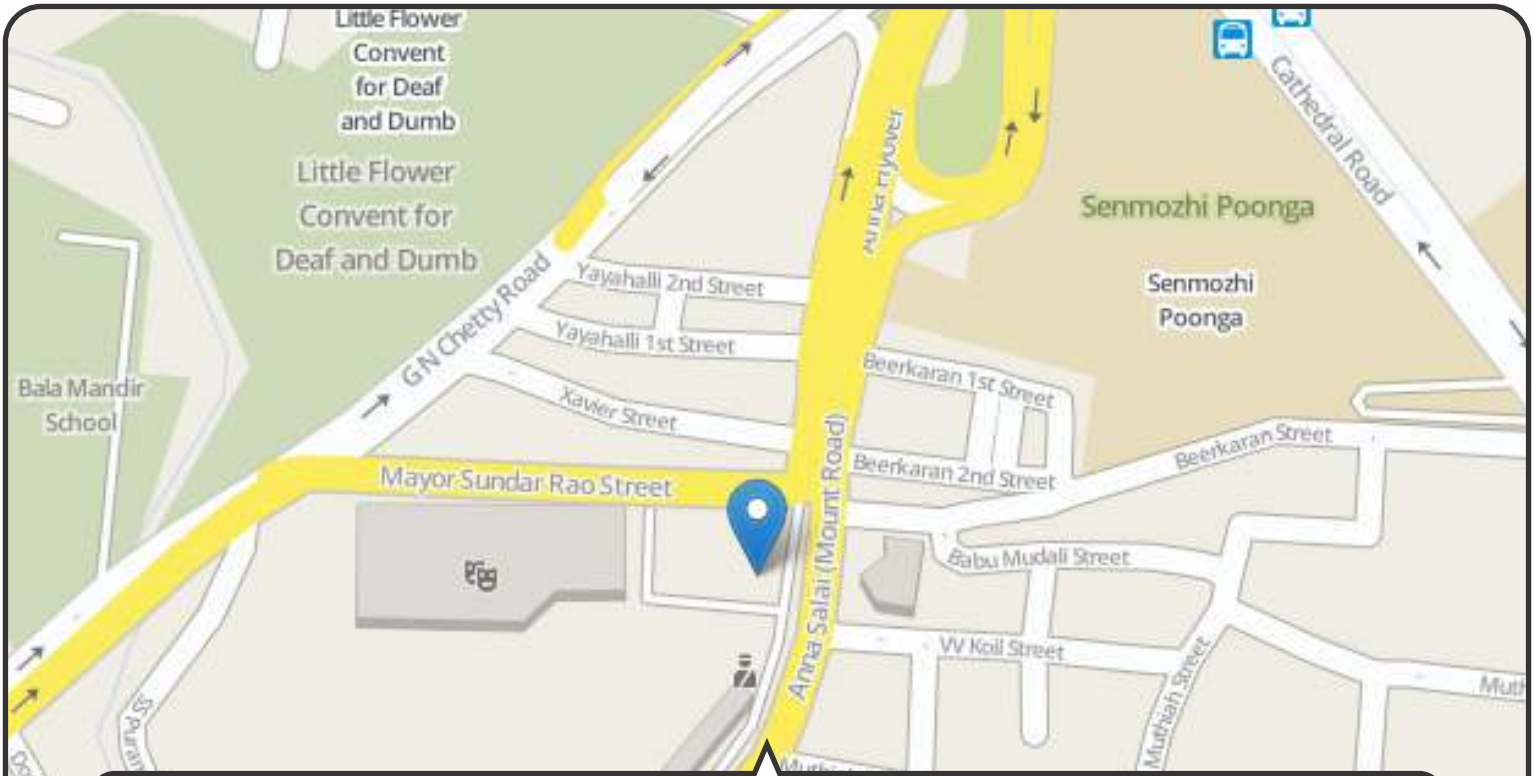
भारतीय जैन संघटना के ५० ट्रेनर एवं सैकड़ों पदाधिकारियों द्वारा देश के ११ राज्यों में ३०० कार्यक्रमों के माध्यम से ।

○ ५,००० प्रत्याशियों हेतु परिचय सम्मेलन

देश के विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों में २५ मैट्रीमोनियल कार्यक्रमों द्वारा ।

२,५००
जैन शिक्षण
संस्थाओं के
फेडरेशन को
मजबूत करना

भारतीय जैन संघटना द्वारा स्थापित फेडरेशन ऑफ जैन एज्युकेशनल इंस्टिट्यूशंस (FJEI) को नये परिप्रेक्ष्य में मजबूत कर, उसमें से ३०० जैन शिक्षण संस्थाओं का गुणवत्ता विकास करना ।



Venue: Kamaraj Memorial Hall

No 492, Near E 3 Police Station, Anna Salai, Sundar Road, Teynampet west, Chennai, Tamil Nadu 600006

Contact Mr. Mahaveer Parmar @ BJS Chennai Office for accomodation & queries:-

#118, Govindappa Street, Second floor, Chennai 600001 Cell. : 9381000182 Email : bjschennai@gmail.com

भारतीय जैन संघटना
राष्ट्रीय अधिवेशन २०१६

सस्तेह निमंत्रण

कैलाशमल दुगड

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बीजेएस

ज्ञानचंद आंचलिया

राज्याध्यक्ष-तमिलनाडू, बीजेएस

प्रफुल्ल पारख

राष्ट्रीय अध्यक्ष, बीजेएस

गौतम वैद

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, बीजेएस

राजेंद्र लुंकर

राष्ट्रीय सचिव, बीजेएस

राजेंद्र दुगड

आगामी राज्याध्यक्ष-तमिलनाडू, बीजेएस

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-
10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411016

Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012

Website: www.bjsindia.org Email : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com / BJSIndiacommunity Tweeter : BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकडी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600

समाचार